श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां कहते हैं कि सोए हुए को तो जगाया जा सकता है, लेकिन उसको कौन जगाए जोकि जागते हुए भी सो रहा हो। सिविल एविएशन मिनिस्टर तो खुद इंडियन एअरलाइंस को मारने में लगे है . . (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम. अफजल (उत्तर प्रदेश) : वाइस चेयरमैन सर, अभी इंडियन एअरलाइंस में दो लोगों ने शराब पीकर बाकायदा झगड़ा किया है।

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar) : Sir,... (*Interruptions*) ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Chairman has given his permission to four or five Members. I would call your name after the finish.

Harassment of Non-muslim workers in Saudi Arabia

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : श्रीमान्, विदेशों मे जो हमारे भारतीय है, खासतौर से जो मिडिल ईस्ट मे हैं, उनकी हालत की ओर मै माननीय सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। समाचार आ रहे है कि खासतौर से सऊदी अरबिया में, जो हमारा दोस्त देश माना जाता है, वहां हमारे भारतियो के साथ अच्छा व्यवहार नही किया जा रहा है। वहां पर मुख्यतया केरल के हमारे साथी गए है, जिनमे मुसलमान भी है, हिन्दु भी है, कुछ क्रिश्चियन भी है। खबर आ रही है कि जो गैर-मुसलमान है, जो हिन्दू है उनको वहां परेशान किया जा रहा है। . . (**व्यवधान**) . .

PROF. SAURIN BHATTACHARYA : (West Bengal) : Mr. Mathur, will you please yield for a minute ? There is no Cabinet Minister of the Government in this House. It is unusual. (*Interruption*). I want your ruling, Mr. Vice-Chairman.

SHRI AJIT P. K. JOGI (Madhya Pradesh) : There is the Minister in charge of Parliamentary Affairs. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Please sit down, all of you. Yes, Mr. Mathur.

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : पार्लियामेंटरीअफेयर्स मिनिस्टर बैठे हैं, वह नोट कर रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष श्री वी० नारायणसामी : सत्या बहिन जी, आप बैठिए।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : बहुत से वहा ऐसे भारतीय हैं, जिनके काम के ठेके खत्म नही हुए हैं और उनको वापस भेजा जा रहा है। उनकी जगह हमारे ही देश के जो कामगार कमचारी हैं मुसलमान, उनको वहां पर नियुक्त कर रहे हैं। मेरा एतराज यह है, उनको हक है वह किसी को ठेके पर रखे या काम दें या न दें, लेकिन जो हमारे भारतीय वहां पर गए है उनमे मतभेद पैदा करना सऊदी अरबिया या दूसरे देशों मे बहुत ही अनुचित है। यह इस्लामिक देश जो खासतौर मे मिडिल ईस्ट में हैं, वहां पर यहां के लोगों की जो पश्चा पद्धति है उसको एलाऊ नहीं करते हैं। वहां पर हिन्दुओ के साथ वह ऐसा व्यवहार कर रहे हैं। उन्हें कोई हक हासिल नही है कि पाकिस्तान के साथ खड़े होकर हमारे साथ इस तरह से करें। मैं सरकार से अपील करूंगा कि खासतौर से वेस्ट एशिया मे और सऊदी अरबिया मे जो कुछ हो रहा है हमारे भारतियों के साथ, उसके खिलाफ एतराज करें और इसकी जानकारी सदन को दें, जिससे कि वहां पर यह अत्याचार बंद हो।

दूसरा, **उपसभाध्यक्ष** : महोदय, इसी के साथ एक उदाहरण देना चाहता हूं कि वहां पर नियम यह है कि कोई भी भारतीय तब तक व्यापार नही कर सकता, जब तक कि वहां का कोई एक शहरी उसका साथी न हो। वहां पर उससे वहा के एक लोकल शहरी के साथ व्यापार कराया जाता है,

लेकिन बीच में जब चाहे वह व्यापार खतम कर देते हैं, जिससे कि भारतीय व्यापारी को अपना बोरिया-बिस्तर बांधकर वापस आना पड़ता है। यह जो अत्याचार है, इसके खिलाफ सरकार आवाज उठाए डिप्लोमेटिक लेवल पर और उसकी यहां पुष्टि करे।

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल (उत्तर प्रदेश) : सर मैं इस पर बोलना चाहूंगा। जो अभी माथुर जी ने कहा, मैं अपने आपको इससे एसोसिएट करता हूं और यह बताना चाहता हूं कि इस मसले को इसी हाऊस में मैंने पिछले साल भी उठाया था। उसमें मैंने यह भी बताया था, माथुर साहब को याद दिलाना चाहता हूं, कि यह सब हरकतें उस दिन के बाद से शुरू हुई हैं, जिस दिन से बाबरी मस्जिद तोड़ी गई है और यह उसका आफ्टर एफैक्ट है। . . . (**व्यवधान**) . . .

شری محمد افضل عرف م افضل: سر میں اس پر بولنا چاہوں گا۔ جو ابھی ماتھر جی نے کہا میں اپنے آپ کو اس سے ایسوسی ایٹ کرتا ہوں اور یہ بتانا چاہتا ہوں کہ اس مسئلے کو اسی ہاؤس میں میں نے پچھلے سال بھی اٹھایا تھا۔ اس میں میں نے یہ بھی بتایا تھا۔ ماتھر صاحب کو یاد دلانا چاہتا ہوں کہ یہ سب حرکتیں اس دن کے بعد سے شروع ہوئی ہیں جس دن سے بابری مسجد توڑی گئی ہے اور یہ اس کا آفٹر افیکٹ ہے . . . . "مداخلت"

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : उसके पहले भी ऐसा था। यह कोई बहाना नहीं हो सकता।

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : उसके पहले नहीं था वह . . . (**व्यवधान**) . . .

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: اس سے پہلے نہیں تھا یہ . . . "مداخلت"

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अगर यहां से कुछ होता तो . . . (**व्यवधान**) . . . आप उसकी तरफदारी कर रहे है। यह अफसोस की बात है। मुझे अफसोस है। . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : मैंने इस मसले को खुद उठाया था इस हाउस के अंदर। मैंने यह भी कहा था कि हमारे बहुत सारे हिन्दु भाई बहुत से मुख्तलिफ मुमालिक के अंदर अपने नाम बदल बदल कर के नौकरियां कर रहे हैं और यह हालत आज बनी है। आज हमारे लाखों हिन्दु भाई बाहर काम कर रहे हैं और करोड़ों रुपए की संपत्ति कमा कर के लाते हैं। उसका डायरेक्ट नतीजा है, जो हमारे माथुर साहब की पार्टी उसके अंदर एक तरह से बताया भी है शरीक थी, उसके लीडर तो शरीक थे, जब बाबरी मस्जिद तोड़ी गई और जिससे दुनियां में हमारे सिर शर्म से झुक गए हैं। वहां जो हो रहा है, उसकी बिल्कुल मैं हिमायत नहीं करता, उसकी मुज़म्मत करता हूं कि ऐसा नही होना चाहिए। हमको हिन्दु और मुसलमान के खाने में नहीं बांटना चाहिए। आज माथुर साहब को इसका अहसास करना चाहिए कि जो हिन्दुओं की दशा मुसलिम मुमालिक में हो रही है, वह आप ही लोगों की वजह से हो रही है। . . . (**व्यवधान**) . . .

[†] Transliteration in Arabic Script

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں نے اس مسئلے کو خود اٹھایا تھا۔ اس ہاؤس کے اندر۔ میں نے یہ بھی کہا تھا کہ ہمارے بہت سارے ہندو بھائی بہت سے مختلف ممالک کے اندر اپنے نام بدل کر کے نوکریاں کر رہے ہیں۔ اور یہ حالت آج بھی ہے۔ آج ہمارے لاکھوں ہندو بھائی باہر کام کر رہے ہیں اور کروڑوں روپے کی سمپتی کما کر لاتے ہیں۔ ان کا ڈائریکٹ نتیجہ ہے جو ہمارے ساتھ [illegible] پارٹی اس کے اندر [illegible] سے بنایا گیا ہے جس میں شریک تھی۔ اس کے لیڈر تو شریک تھے۔ جب بابری مسجد توڑی گئی اور جس سے دنیا میں ہمارے سر شرم سے جھک گئے ہیں۔ وہاں جو ہو رہا ہے اس کی میں بالکل حمایت نہیں کرتا۔ اس کی مذمت کرتا ہوں کہ ایسا نہیں ہونا چاہئے۔ ہم کو ہندو اور مسلمان کرانے میں نہیں بانٹنا چاہئے۔ آج ماتھر صاحب کو اس کا احساس ہونا چاہئے کہ ہندوؤں کی یہ دشا [illegible] ہے۔ وہ آپ [illegible] "مداخلت"...

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) :आप जैसे लोगों के प्रोपेगण्डा के कारण ऐसा हो रहा है . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप क्या बात करते हैं ? यह बहाना बनाकर आप उनका साथ देना चाहते हैं । मुझे अफसोस है अफजज भाई कि आप वहां के देशों का साथ देना चाहते हैं । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश) : यह आप बहाना न करें । क्या वहां पिटने देंगे आप सारे हिन्दुओं को ? यह जवाब दीजिए । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ म. म. अफ़जल : मैं आपको याद दिला रहा हूं, यह सब आपकी हरकतों का नतीजा है । . . . (**व्यवधान**) . . .

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں آپ کو یاد دلا رہا ہوں۔ یہ سب آپ کی حرکتوں کا نتیجہ ہے۔۔۔۔ "مداخلت"۔۔۔

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अगर वह हरकत करें तो उनका नतीजा हम यहां करें।...(**व्यवधान**),

श्री कैलाश नारायण सारंग : जवाब दीजिए आप वहां हिन्दुओं को पिटने देंगे ?... (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल: मैंने मुज़म्मत की है । आपके साथ अपने आपको एसोसिएट किया है । लेकिन, यह मत भूलिए कि . . . (**व्यवधान**) . . .

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں نے مذمت کی ہے۔ آپ کے ساتھ اپنے آپ کو ایسوسی ایٹ کیا ہے۔ لیکن [illegible] ... "مداخلت" ...

THE VIE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Mookchand Meena· (*Interruptions*) I have already called another name. Kindly take your seats. (*Interruptions*). Mr. Afzal, please take your seat.

[†] Transliteration in Arabic Script.

श्री संघ प्रिय गौतम*: . . . (व्यवधान) . . .

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : सर, मैं आपका प्रोटेक्शन चाहता हूं। यह क्या कह रहे हैं कि* मैं जानना चाहता हूं। क्या बात कर रहे हैं आप? . . . (व्यवधान)

شری محمّد افضل عرف م۔ افضل : سر
میں آپ کا پروٹیکشن چاہتا ہوں۔ یہ کیا کہہ رہے ہیں کہ
میں جاننا چاہتا ہوں کہ کیا بات کر رہے ہیں آپ . . . "مداخلت" . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY) : Mr. Afzal.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : Sir, I want your protection. You must note what he is saying. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN : (SHRI V. NARAYANASAMY) : I will verify the records.

SHRI MOHAMMED AFAZAL *alias* MEEM AFZAL : It should be expunged. (*Interruptions*).

कि हम* [. . . (व्यवधान)]†

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar) : These utterances of Shri Sangh Priya Gautam and others should be expunged. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh) : Sir I request that the remarks made against any Member be expunged. (*Interruptions*)

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : I associated myself with Shri Mathur.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Any remarks, which are not warranted, would be removed from the record.

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान : वाइस चेयरमैन साहब, अभी जब माथुर साहब ने जैसा कहा है, उससे मुझे इतहाई इख्तलाफ है। जहां तक साउदी अरब और गल्फ कंट्रीज का तालुक है हिन्दुस्तान के ये दोस्त और मुमालिक हैं और हिन्दुस्तान के और अरब के हमेशा से अच्छे ताल्लुकात रहे हैं। मुझे यह कहते हुए बेहद मसरत महसूस होती है कि जहां हमारे हिन्दुस्तानी मुसलमान वहां पर रोजगार के सिलसिले में गए हुए है, कई और नान मुस्लिम भी हैं जो साउदी अरब और गल्फ कंट्रीज में बड़े-बड़े ओहदों पर फायज हैं और इंतहाई अच्छे माहोल में वे वहां पर मुलाजमत कर रहे हैं। मैं जनाब माथुर साहब से यह दरख्वास्त करुंगा कि वे इस किस्म का इलजाम लगाने से पहले अच्छी तरह से ये महसूस करें कि कहां से आपको शिकायत मिली है। हमारी इंडियन एम्बेसी, जो सउदी अरब में है, क्या उसको इसका इलम है? अगर उसको इसका इल्म है तो वह क्या कर रही है? जहां तक मेरी इन्फारमेशन का सवाल है, जितने भी हिन्दुस्तानी हैं, चाहे वे हिन्दु हों या मुसलमान हों, साउदी अरब और गल्फ कंट्रीज म उनके साथ बेहतर सुलूक हो रहा है और इंतहाई एहतराम के साथ वे वहां पर काम कर रहे हैं। यह हिन्दुस्तान और अरब मुमालिक के दरम्यान . . . (व्यवधान) . . .

شری محمّد خلیل الرحمان :۔ وائس چیرمین صاحب
ابھی جناب ماتھر صاحب نے جیسا کہا ہے۔ اس
سے مجھے انتہائی اختلاف ہے۔ جہاں تک
سعودی عرب اور گلف کنٹریز کا تعلق ہے
ہندوستان کے یہ دوست ممالک ہیں

*Expunged as ordered by the Chair.
†[ ] Transliteration in Arabic Script.

ہندوستان اور عرب کے ہمیشہ سے اچھے تعلقات رہے ہیں۔ مجھے یہ کہتے ہوئے بے حد مسرت ہوتی ہے کہ جہاں ہمارے ہندوستانی مسلمان وہاں پر روزگار کے سلسلے میں گئے ہوئے ہیں۔ کئی اور نان مسلم بھی ہیں جو سعودی عرب اور گلف کنٹریز میں بڑے بڑے عہدوں پر فائز ہیں اور انتہائی اچھے ماحول میں وہ وہاں پر ملازمت کر رہے ہیں۔ میں جناب ماتھر صاحب سے یہ درخواست کروں گا کہ وہ اس قسم کے الزامات لگانے سے پہلے اچھی طرح سے یہ محسوس کریں کہ کہاں سے اُن کو شکایت ملی ہے۔ ہماری انڈین ایمبیسی۔ جو سعودی عرب میں ہے کیا اس کو اس کا علم ہے۔ جتنے بھی ہندوستانی ہیں۔ چاہے وہ ہندو ہوں یا مسلمان ہوں۔ سعودی عرب میں اور گلف کنٹریز میں اُن کے ساتھ بہتر سلوک ہو رہا ہے۔ اور انتہائی احترام کے ساتھ وہ وہاں پر کام کر رہے ہیں۔ یہ ہندوستانی عرب ممالک کے درمیان ..." مداخلت"..

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Shri Ish Dutt Yadav.

SHRI MD. SALIM (West Bengal): Sir, it has been stated by Mr. Mathur...... (*Interruptions*)

I do not know why they were fighting with aoh other.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : You have not heard what I said. I have already ruled that any unwarranted remarks made by the hon. Members will be removed from the record.

श्री मुहम्मद सलीम : मुझे जो सुनने में मिला वह यह है कि आज वहां जो कुछ भी हो रहा है—मैं उसकी मज़म्मत करता हूं, गलत हो रहा है, लेकिन इन्हें धमकी देते हुए, वे किसे धमकी दे रहे हैं कि जो कुछ वहां हो रहा है वह हरकत अगर हम हिन्दुस्तान में करें, तो वह किसको धमकी दे रहे हैं ?

شری محمد سلیم : مجھے جو سننے میں ملا وہ یہ ہے کہ آج وہاں جو کچھ بھی ہو رہا ہے۔ جو کچھ ہو رہا ہے۔ میں اُس کی مذمت کرتا ہوں غلط ہو رہا ہے۔ لیکن انھیں دھمکی دیتے ہوئے۔ وہ کسے دھمکی دے رہے ہیں کہ جو کچھ ہو رہا ہے وہ حرکت اگر ہندوستان میں کریں تو وہ کس کو دھمکی دے رہے ہیں۔ ... "مداخلت"

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Afzal, please take your seat. (*Interruptions*) Shrimati Kamla Sinha, I have identified Shri Ish Dutt Yadav. There are six persons who have given their names. After that, I will call you. (*Interruptions*).

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैंने यह नहीं कहा, मैंने कहा क्या यह होना चाहिए, हरगिज़ नहीं होना चाहिए, मैंने कहा क्या हम यह करेंगे, नहीं करेंगे । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : आपने यह . . . (**व्यवधान**) . . . .

شری محمد افضل عرف م۔ افضل : آپ نے یہ ...."مداخلت"

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY) : The names given by the Members are not over. (*Interruptions*).

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, हमारी जो समस्या है, वह उत्तर प्रदेश के लोगों के बारे में है। कानपुर में और गोरखपुर में दो हवाई अड्डे है और दिल्ली से . . . **(व्यवधान)** . . .

THE VICE-CHAIRMAN : (SHRI V. NARAYANASAMY) : I have identified Shri Ish Dutt Yadav. Let him speak. (*Interruptions*)

श्री ईश दत्त यादव : एक मिनट, मेरी बात खत्म हो रही है। मैं यह कह रहा था कि उत्तर प्रदेश में कानपुर और गोरखपुर में दो हवाई अड्डे है, दिल्ली से वीकली फ्लाइट वहां जाती थी, उसको सरकार ने बंद कर दिया। मेरी मांग आपके माध्यम से, संसदीय कार्यमंत्री जी यहां बैठे हुए हैं वे उड्डयन मंत्री जी को मेरी ओर से अनुरोध कर दें कि कानपुर और गोरखपुर की इन दोनों फ्लाइट्स को चालू कर दें क्योंकि जो लोग दिल्ली से जल्दी जाना चाहती हैं, उनके लिए बड़ी गभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। मेरी इतनी ही मांग है।

(समाप्त)

श्री संघ प्रिय गौतम : मैं इनका समर्थन करता हूं।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी (उत्तर प्रदेश) : मैं भी समर्थन करता हूं।

†[... اعظمی : میں بھی سمرتھن کرتا ہوں ۔]

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : मैं भी इनकीं बात का समर्थन करता हूं।

श्री मोहम्मद मसूद खान (उत्तर प्रदेश) : मैं भी समर्थन करता हूं इस प्रार्थना के साथ कि हवाई जहाज ऐसे हों जो कि रास्ते में बिगड़े न।

Police atrocities in Rajasthan

श्री मूलचन्द मीणा (राजस्थान) : मैं एक ऐसी दर्दनाक घटना के बारे में सरकार और इस सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। राजस्थान के अंदर लोकतंत्रीय प्रणाली से चुनी हुई सरकार है। लेकिन वहां इस समय पुलिस राज कायम है और पुलिस के द्वारा और उस सरकार के सहयोग पर ऐसे अमानवीय कृत्य किए जा रहे है, ऐसी घटनाएं राजस्थान की जनता के साथ पुलिस के माध्यम से की जा रही है जिनसे हमारा दिल दहल जाता है। राजस्थान के बाड़मेर जिले के अंदर पुलिस थाना सदर बाड़मेर के अंतर्गत एक जुगताराम गरीब किसान के लड़के को पुलिस ने एक शराब के ठेकेदार से मिलकर दो फरवरी को गिरफ्तार किया और उसको 5 फरवरी को छोड़ा। लेकिन किस हालत में उसको छोड़ा ? उसके गुप्त अंगों को काट दिया गया। . . . **(व्यवधान)**

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) बलात्कारी तो नहीं था ?

श्री मूलचन्द मीणा : पुलिस ने शराब के ठेकेदार के कहने पर उनके खिलाफ केस करने पर उसको गिरफ्तार किया। ऐसी अमानवीय घटना राजस्थान के अंदर हो रही है और आज स्थिति यह है कि जब उसको जयपुर अस्पताल लाया गया तो उससे पब्लिक के लोग मिलना चाहते हैं, राजनीतिक दलों क लोग मिलना चाहते हैं और पत्रकार मिलना चाहते, लेकिन उससे मिलने नहीं दिया जा रहा है। इसलिए मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि क्या एक अमानवीय कृत्य करने वाली सरकार जिसके संरक्षण में यह कार्य हो रहा है, आप उनके खिलाफ क्या कारवाई कर रहे है ? मैं यही करना चाहता हूं।

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : महोदय, यह बड़ी दुखद घटना है। राजस्थान सरकार के लिए एक चेतावनी जानी चाहिए, वार्निंग देनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं वहां बार-बार न हों। . . . **(व्यवधान)** राजस्थान सरकार हमेशा से मनमानी करती रही है। . . . **(व्यवधान)** . .

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : आपके हिसाब से बर्खास्त कर देनी चाहिए।... **(व्यवधान)**

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

श्रीमती सत्या बहिन : हां, बिल्कुल बर्खास्त कर देनी चाहिए : ... (**व्यवधान**) आप राज करने लायक हैं ही नहीं। ... (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष श्री वी० नारायणसामी) : सुषमा जी, आप बैठिए।

Atrocities on Scheduled Castes and Women in District Burdwan, West Bengal

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं आपके माध्यम से एक अत्यन्त वीभत्स घटना की ओर इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के मंगल कोट थाने के अन्तर्गत एक अभागा गांव है जिसका नाम है–निगन। वह बहुत पिछड़ा हुआ है। इसमें मुख्यतः दो जातियां रहती हैं, एक बाबरी सरदार जो अनुसूचित जाति के हैं और खेतीहर मजदूर हैं और दूसरे घोष जाति के हैं जो दूध का व्यवसाय करते है और पिछड़ी जाति के हैं। 25 जनवरी को इस गांव पर करीब 5 हजार लोगों की उन्मत्त भीड़ ने हमला किया। जब गांव वालों ने उनका मुकाबला किया और वे गांव में प्रवेश नहीं कर सके तो उन्होंने तीरों पर पैट्रोल से डुबोकर जलते हुए कपड़े रखकर तीर चलाए और गांव के किनारे की जो झोंपड़ियां थीं उनमें आग लगादी गई। जब इस हड़बड़ी में उन्होंने भीतर प्रवेश करके कई जगह लूटमार की, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया और पुस्तकें तक उठाकर आग में झोंक दी। मैं आपको यह बताते हुए शर्म का अनुभव करता हूं कि जब आग बुझाने के लिए वहां दमकल आ रहीं थी तो कैचर पुलिस चौकी के सामने लोगों ने दमकल को रोक दिया और दमकल को गांव में प्रवेश करने नहीं दिया और वहां पर पुलिस मूकदर्शक बनकर खड़ी रही। यह सब क्या हुआ ? क्योंकि उस गांव के लोग पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का समर्थन करते थे और अब भारतीय जनता पार्टी का समथन कर रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी के वहां दो उम्मीदवार ... (**व्यवधान**)

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal) Sir, what he is saying is Very objectionable. He should not be allowed to speak like this

SHRIMATI SARLA MAHESHWARI : (West Bengal) It is very objectionable. How can he be allowed to say such things ?

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : .... (**व्यवधान**) मैं मांग करता हू कि इसके लिए केन्द्र के गृह मंत्री उनको दंडित करें।... (**व्यवधान**) मैं इसका प्रत्यक्षदर्शी गवाह हूं। मैंने गांव में जाकर मुआयना किया है।... (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Shastri, your time is over. (*Interruptions*).

श्री विष्णु कांत शास्त्री :: मैंने खुद जाकर देखा है, मैं इसका प्रत्यक्ष गवाह हू ... (**व्यवधान**)

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश) : क्या हो रहा है पश्चिमी बंगाल में, बोलो ना ... (**व्यवधान**)

श्री मुहम्मद सलीम (पश्चिम बंगाल) : इस बात से सबूत मिलता है कि ये लोग किस तरह से पश्चिमी बंगाल में आग लगाने की कोशिश कर रहे है ... (**व्यवधान**) ये राजनीति के व्यवसायी वहां जाकर जातिवाद कायम करना चाहतेहैं ... (**व्यवधान**) शर्म आनी चाहिए इनको ... (**व्यवधान**) उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश से जब इनको भगा दिया गया तो ये पश्चिमी बंगाल के बर्दवान में जा करके यह सब कर रहे हैं जहां लोग शांति से रहते हैं ... (**व्यवधान**)